1628
1-10-2020

गुरुवार

आत्मा

"मैं" के अंहकार के साथ किया गया कार्य कभी भी "गुरुकार्य" नहीं हो सकता है।

बाबा स्वामी
1-10-2020

1629
2-10-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

किसी भी प्रकार के "नशे" में रहकर किया गया कार्य "गुरुकार्य" नहीं हो सकता है,

बाबास्वामी

2/10/2020

1630

3-10-2020

शनिवार

आत्मा

अपने ही आत्मा की मस्ती से मस्त रहते हुये किया गया कार्य ही "गुरुकार्य" होता है।

बाबास्वामी

3/10/2020

।63।

4-10-2020

रविवार

आत्मा

"गुरुकार्य" केवल और
केवल अपनी आत्मा
को प्रसन्न करने
के लीये ही करे

बाबास्वामी

4/10/2020

1632

5-10-2020

सोमवार

❀ आत्मा ❀

"गुरुकार्य" करने का आनंद लेने के लिये ही गुरुकार्य करें

बाबास्वामी

5/10/2020

1633
6-10-2020
मंगलवार

आत्मा

"गुरुकार्य" संपूर्ण भाव के साथ ही करे तो वह गुरुकार्य कहलाता है।

बाबास्वामी
6/10/2020

1634

7-10-2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"गुरुकार्य" एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो आपका संबंध गुरु के सूक्ष्म शरीर के साथ जोडता है।

बाबास्वामी

6|10|2020

1635
8-10-2020

गुरुवार

आत्मा

पवित्र व शुद्ध चित्त से
किया गया कार्य ही
"गुरुकार्य" कहलाता है।

बाबा स्वामी
8/10/2020

1636
9-10-2020
शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

वासना रहित चित्त
से किया गया कार्य
"गुरुकार्य" कहलाता
है।

बाबा स्वामी
9/10/2020

1637

10-10-2020

शनीवार

❀ आत्मा ❀

निर्विचारीता मे घटीत हुआ कार्य "गुरुकार्य" कहलाता है।

बाबास्वामी

10/10/2020

1638

11-10-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

पुर्व जन्म के पुण्यकर्म बीना "गुरुकार्य" घटील होना संभव नही है।

बाबास्वामी
11|10|2020

1639

12-10-2020

सोमवार

आत्मा

"गुरुकार्य" ऐसा कार्य है जो कोई भी नहीं कर सकता है, वह कार्य सदैव हो जाता है।

बाबास्वामी

12/10/2020

1640
13-10-2020
मंगलवार

❀ आत्मा ❀

जो कार्य किया है,
वह "गुरुकार्य" नहीं
है। क्योंकी कार्य
के साथ "कर्तीभाव"
है।

बाबा स्वामी
13/10/2020

1641

14.10.2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"गुरुकार्य" तो सदैव आत्मा और परमात्मा के बीच का "सेतु" है।

बाबास्वामी
14/10/2020

1642

15-10-2020

गुरुवार

आत्मा

"गुरुकार्य" अपने माहात्म से घटीत होने पर एक दिव्य आंनद की "अनुभुती" होती है, जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता है।

बाबास्वामी

15/10/2020

1643
16-10-2020
शुक्रवार

आत्मा

अपने जिवन मे किसी न किसी माध्यम से "गुरुकार्य" से जुडे रहना चाहिये

बाबास्वामी
16/10/2020

1644

17-10-2020

शनीवार

आत्मा

"गुरुकार्य" के परिणाम हमे इसी जिवन मे प्राप्त होते ही है।

बाबास्वामी
17/10/2020

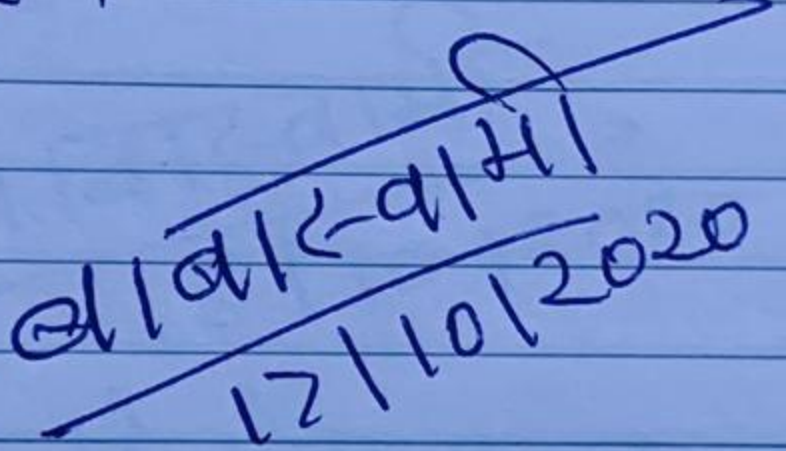

1645

18-10-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

गुरु शाश्वत नहीं है।
"गुरुकार्य" शाश्वत
है। यह मेरा ही
अनुभव है।

बाबास्वामी
18/10/2020

(गुरु से मेरा आशय
गुरु के शरीर से है।)

1646

19-10-2020

सोमवार

आत्मा

गुरु समाधिस्थ होने के बाद भी वह "गुरुकार्य" के रूप मे विद्यमान रहता है।

बाबास्वामी

19/10/2020

1647

20-10-2020

मंगळवार

❀ आत्मा ❀

"गुरुकार्य" का महत्व समझकर ही गुरुकार्य करना चाहिये ।

बाबास्वामी
20/10/2020

1648

21.10.2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

अपने गुरु के प्रति
अत्यन्त भाव ही
हमसे "गुरुकार्य"
करवाता है।

स्वामी
21/10/2020

1649

22-10-20

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आत्म परीक्षण करे

की आप "गुरु कार्य"

के महत्व को समझ

कर रहे है, क्या ?

बाबा स्वामी

22/10/2020

1650

23-10-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

मेरी तो सारी ही
आध्यात्मीक प्रगती
"गुरुकार्य" से ही
हुयी है।

बाबा-वामी

23/10/2020

1651

24-10-2020

शनीवार

❀ आत्मा ❀

मुझे सदैव ही "गुरुकार्य" में "गुरुसानीध्य" का अनुभव होता है, और आपको ?

बालस्वामी

24/10/2020

1652

25-10-2020

रविवार

❀ आत्मा ❀

"आत्मशान्ति" के साथ किया गया कार्य ही गुरुकार्य कहलाता है।

बाबास्वामी
25/10/2020

1653

26-10-2020

सोमवार

आत्मा

साधनारत रहकर किया गया है। वही कार्य "गुरुकार्य" कहलाता है।

बाबास्वामी

26/10/2020

1654

27-10-2020

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

पुर्वजन्म के पुण्यकर्म से ही हमे "गुरुकार्य" करने का अवसर मिलता है।

बाबास्वामी

27/10/2020

1655

28-10-2020

बुधवार

❀ आत्मा ❀

"गुरुकार्य" करने के अवसर को कभी भी गंवाना नहीं चाहिये।

बाबास्वामी

28/10/2020

1656
29-10-2020
गुरुवार

❀ आत्मा ❀

"गुरुकार्य" तो निर्माल्य होता है, वास्तव मे तो वह गुरुसानिध्य का अवसर होता है।

बाबास्वामी
29/10/2020

1654

30-10-2020

शुक्रवार

❀ आत्मा ❀

"गुरुकार्य" में गुरुसान्निध्य छुपा हुआ होता है।

बाबास्वामी

30/10/2020

1658

31-10-2020

शनीवार

आत्मा

"गुरुकार्य" सदैव ही सर्वोत्तम करने का प्रयास करना चाहिये

बाबास्वामी

31/10/2020